महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय
आजमगढ़, उ0 प्र0

स्नातक (बी0ए0) हिन्दी पाठ्यक्रम
(त्रिवर्षीय पूर्णकालिक)
सी.बी.सी.एस. एवं सेमेस्टर प्रणाली

Azamgarh University

स्नातक (बी0ए0) हिन्दी पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2022–23 से प्रभावी)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों हेतु न्यूनतम एकीकृत पाठयक्रम
स्नातक पाठयक्रम के सेमेस्टरवार प्रश्न–पत्र
विषय : हिन्दी साहित्य

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्न–पत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रयोगात्मक	क्रेडिट्स
बी0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम	A010101T	हिन्दी काव्य	लिखित	06
बी0ए0 प्रथम वर्ष	द्वितीय	A010201T	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	लिखित	06
बी0ए0 प्रथम वर्ष	**माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम**	**A010101M**	**हिन्दी भाषा का सामान्य बोध**	**लिखित**	**04**
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	तृतीय	A010301T	हिन्दी गद्य	लिखित	06
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	चतुर्थ	A010401T	हिन्दी अनुवाद	लिखित	06
बी0ए0 द्वितीय वर्ष	माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम	A010202M	हिन्दी काव्यांग विवेचन	लिखित	04
बी0ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	A010501T	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	A010502T	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	पंचम	A010503R	लघु शोध परियोजना	लिखित	03
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठ	A010601T	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठ	A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	लिखित	05
बी0ए0 तृतीय वर्ष	षष्ठ	A010603R	लघु शोध परियोजना	लिखित	03

नोट–

- स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के लिए हिन्दी (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम) मेजर पाठ्यक्रमों के अनंतर अंतिम पृष्ठों में संलग्न है।
- स्नातक पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर में **3 + 3 = 6 क्रेडिट** का **लघु शोध परियोजना अनिवार्य प्रश्न–पत्र है**, जिसके लिए कुल **100 अंक** निर्धारित हैं जिसका मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षक के माध्यम से वर्ष के अंत में किया जाएगा।
- स्नातक पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर में निर्धारित लघु शोध परियोजना हेतु शोध क्षेत्र का निर्धारण किया गया है जो अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

➢ **पाठ्यक्रम निर्माण समिति :**

क्र.	नाम	पदनाम	विभाग	कॉलेज / विश्वविद्यालय
1	डॉ. पुनीत बिसारिया, संयोजक	अध्यक्ष – हिन्दी विभाग	हिन्दी	बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी
2	प्रो0 अनिल राय, सदस्य	अध्यक्ष – हिन्दी विभाग	हिन्दी	दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3	डॉ. वीरेद्र सिंह यादव, सदस्य	सह् आचार्य – हिन्दी विभाग	हिन्दी	डॉ. शंकुतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ
4	डॉ. यतेंद्र सिंह कुशवाहा, सदस्य	सहायक आचार्य – हिन्दी विभाग	हिन्दी	डी. ए. वी. कॉलेज, कानपुर

GENERAL PROGRAMME OUTCOMES

- विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत हिन्दी साहित्य एवं भाष का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।
- साहित्य के मूलभूत स्वरूप, यथा विभिन्न विधाओं, हिन्दी के रोजगारपरक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त होगी।
- विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा अर्थात हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होगा।
- भाषा, साहित्य तथा संस्कृति की अन्तर्सम्बद्धता के प्रति विद्यार्थियों में समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता तथा नैतिक चरित्र की भावना का विकास होगा।
- कम्प्यूटर, सिनेमा, अनुवाद आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को नए समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

- बी.ए. प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर के **'हिन्दी काव्य'** प्रश्न–पत्र के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।
- बी.ए. प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर के **'कार्यालयी हिन्दी** और **कम्प्यूटर'** प्रश्न–पत्र के अंतर्गत हिन्दी के **विद्यार्थियों को कार्यालय** के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वे कार्यालय के समस्त कार्यों को **सुगमतापूर्वक** कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देकर कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे समुचित रोज़गार प्राप्त कर सकें।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर के **'हिन्दी गद्य'** प्रश्न–पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, **नाटककारों, एकांकीकारों, निबंधकारों** एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. द्वितीय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर के **'हिन्दी अनुवाद'** प्रश्न–पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ–साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य

के वैश्विक प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।

- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र **'साहित्यशास्त्र** और **हिन्दी आलोचना'** के अंतर्गत विद्यार्थी को साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और विषय–क्षेत्र से परिचित कराना तथा उन्हें हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष पंचम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न–पत्र '**हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य'** के अंतर्गत **हिन्दी साहित्य** एवं **सिनेमा** की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जाग्रत करना और उन्हें भारतीय संस्कृति की विशिष्टता और महानता के विविध पक्षों से अवगत कराना और इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी को इस हेतु तैयार करना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न–पत्र **"भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि"** के अंतर्गत विद्यार्थियों को भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्‌भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी कराना एवं उन्हें **हिन्दी की वैज्ञानिक** एवं संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।
- बी.ए. तृतीय वर्ष षष्ठ सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न–पत्र **"लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति"** के **अंतर्गत विद्यार्थियों** को भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास क्रम से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

बी०ए० एवं एम०ए० हिन्दी पाठ्यक्रम समिति (अध्ययन परिषद)

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़

संयोजक एवं अध्ययन परिषद के सदस्यों के नाम –

संयोजक	**प्रो० कंचन राय**, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, डी०सी०एस०के०पी०जी० कॉलेज मऊ
स्नातकोत्तर	1. **प्रो० परवीन निज़ाम अंसारी,** शिब्ली नेशनल कॉलेज आजमगढ़ 2. **प्रो० गीता सिंह**, अध्यक्ष हिन्दी विभाग डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज आजमगढ़ 3. **प्रो० शिखा तिवारी**, हिन्दी विभाग डी०सी०एस०के० पी०जी० कॉलेज मऊ
स्नातक	1. **प्रो० देवेंद्र प्रताप सिंह,** हिन्दी विभाग कूबा पी०जी० कॉलेज दरियापुर, नेवादा आजमगढ़ 2. **एसो० प्रो० डॉ० निर्मला सिंह**, अध्यक्ष हिन्दी विभाग मर्यादा पुरुषोत्तम पी० जी० कॉलेज भुड़सुरी, रतनपुरा मऊ 3. **डॉ० मदन मोहन पाण्डेय**, श्री शिवा डिग्री कॉलेज, तेरही, कप्तानगंज आजमगढ़
बाह्य विशेषज्ञों के नाम	1. **प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी**, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 2. **प्रो० राकेश सिंह,** इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी पत्र के पत्रांक संख्या 2150/कु0का0/2023 एवं माननीय कुलपति महोदय के आदेश दिनांक 11/09/2023 द्वारा नामित बी०ए० एवं एम०ए० हिन्दी अध्ययन परिषद के संयोजक सहित बाह्य विशेषज्ञों एवं सदस्यों द्वारा कारित एवं पारित।

सदस्यों के हस्ताक्षर – **बाह्य विशेषज्ञों के हस्ताक्षर –**

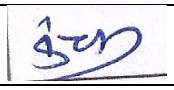

1. प्रो० कंचन राय		**1. प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी**	
2. प्रो० परवीन निज़ाम अंसारी		**2. प्रो० राकेश सिंह**	
3. प्रो० गीता सिंह			
4. प्रो० शिखा तिवारी			
5. प्रो० देवेंद्र प्रताप सिंह			
6. एसो० प्रो० निर्मला सिंह			
7. डॉ० मदन मोहन पाण्डेय			

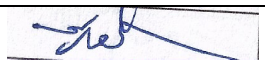

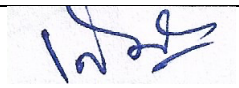

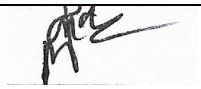

विवरण

आज दिनांक 25/09/2023 प्रातः 11:00 बजे से महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़, विश्वविद्यालय परिसर में हिन्दी अध्ययन परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में हिन्दी अध्ययन परिषद के बाह्य विशेषज्ञ सहित परिषद के संयोजक एवं सदस्यों ने प्रतिभाग किया जिसमें सर्वसम्मति से पूर्वनिर्धारित पाठ्यक्रम में संशोधन करते हुये महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये :–

1. स्नातक स्तर पर चलायमान पाठ्यक्रम में बी० ए० प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम जोड़ा गया है।
2. स्नातक स्तर पर चलायमान पाठ्यक्रम में बी० ए० तृतीय वर्ष पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर में लघु शोध परियोजना हेतु 6–6 शोध क्षेत्र का निर्धारण किया गया है।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर चलायमान पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया है तथा प्रश्न–पत्रों के चयन के लिए प्रथम विकल्प अथवा द्वितीय विकल्प के रूप में वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।
4. स्नातकोत्तर स्तर पर चलायमान पाठ्यक्रम के साथ एम० ए० प्रथम वर्ष में हिन्दी माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम जोड़ा गया है।
5. स्नातकोत्तर स्तर पर एम० ए० प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष में पंचम प्रश्न–पत्र के रूप में वृहद् शोध परियोजना का निर्धारण किया गया है।

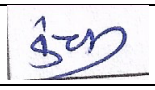

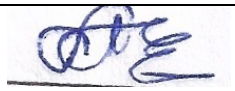

सदस्यों के हस्ताक्षर –		**बाह्य विशेषज्ञों के हस्ताक्षर –**	
1. प्रो० कंचन राय		**1. प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी**	
2. प्रो० परवीन निज़ाम अंसारी		**2. प्रो० राकेश सिंह**	
3. प्रो० गीता सिंह			
4. प्रो० शिखा तिवारी			
5. प्रो० देवेंद्र प्रताप सिंह			
6. एसो० प्रो० निर्मला सिंह			
7. डॉ० मदन मोहन पाण्डेय			

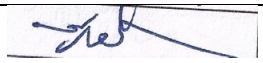

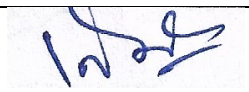

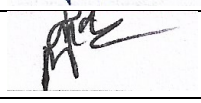

PROPOSED STRUCTURE OF B.A. HINDI SYLLABUS

PROGRAMME	YEAR	SEMESTER	THEORY/ PRACTICAL	COMPULSORY/ ELECTIVE	COURSE TITLE	CREDITS	TEACHING HOURS	ELECTIVE (FOR OTHER FACUTY/DEPARTMENTS
CERTIFICATE IN HINDI	I	1st SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी काव्य	06	90	ALL FACULTIES
		2nd SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	06	90	ALL FACULTIES
1st SEMESTER OR 2nd SEMESTER			THEORY	MINOR ELECTIVE PAPER	हिन्दी भाषा का सामान्य बोध	04	60	ALL FACULTIES
DIPLOMA IN HINDI	II	3rd SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी गद्य	06	90	ALL FACULTIES
		4th SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी अनुवाद	06	90	ALL FACULTIES
3rd SEMESTER OR 4th SEMESTER			THEORY	MINOR ELECTIVE PAPER	हिन्दी काव्यांग विवेचन	04	60	ALL FACULTIES
DEGREE IN HINDI	III	5th SEMESTER FIRST PAPER	THEORY	COMPULSORY	साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	05	75	ALL FACULTIES
		5th SEMESTER SECOND PAPER	THEORY	COMPULSORY	हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य	05	75	ALL FACULTIES
		5th SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	लघुशोध परियोजना	03	45	
		6th SEMESTER FIRST PAPER	THEORY	COMPULSORY	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	05	75	ALL FACULTIES
		6th SEMESTER SECOND PAPER	THEORY	COMPULSORY	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	05	75	ALL FACULTIES
		6th SEMESTER	THEORY	COMPULSORY	लघुशोध परियोजना	03	45	

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	B.A. 1st YEAR	SEMESTER : I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010101T	COURSE TITLE: हिन्दी काव्य	

Course Outcomes:

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

CREDITS: 6	MAX: MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य का इतिहास : इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकासः** □ भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। □ सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य। भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण, भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य।	12
II	**आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास :** □ सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, हिन्दी नवजागरण, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	12
III	**आदिकालीन कवि :** □ विद्यापति पदावली – सं0 : आचार्य रामलोचन शरण 1. (क) राधा की वन्दना : (देख–देख) 2. (ख) श्रीकृष्ण प्रेम : (जहँ–जहँ पग) 3. (ग) राधा प्रेम : (ए सखि पेखलि) □ (गोरखबानी : सं0 : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल – गोरखबानी सबदी 7 पद (2, 4, 7, 8, 16, राग राम श्री, 10, 11) □ (अमीर खुसरो – व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ0 परमानन्द पांचाल) 1. कव्वाली – छाप तिलक 2. गीत – काहे को व्याहा विदेश 3. दोहे – 5 (गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं, चकवा–चकवी, सेज सूनी)	10
IV	**भक्तिकालीन सगुण कविः** **1. सूरदास :** □ भ्रमरगीत सार – सं0 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, 5 पद (उधव यह मन, गोकुल सबै, आयो घोष, जग ठगौरी, ए अली) **2. गोस्वामी तुलसीदास :** □ (श्रीरामचरित मानस – गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) □ अयोध्या काण्ड – 13 दोहे (दोहा संख्या 28 से 41 तक)	11
V	**भक्तिकालीन निर्गुण कवि :**	10

	□ **कबीर :** (कबीर – सं0 : श्यामसुंदर दास) क – गुरूदेव कौ अंग – 5 दोहे (1, 6, 11, 17, 20) ख – बिरह कौ अंग – 5 दोहे (4, 10, 12, 20, 33) □ **मलिक मोहम्मद जायसी :** (मलिक मोहम्मद जायसी–सं0 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खंड – 6 दोहे (1, 2, 3, 4, 5, 6)	

VI	**रीतिकालीन कवि :** □ **बिहारीलाल :** (बिहारी रत्नाकर – सं0 : जगन्नाथ दास रत्नाकर) 10 दोहे (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10) □ **घनानंद :** (घनानंद ग्रन्थावली – सं0 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित – 3 छंद (1, 4, 7)	**11**
VII	**आधुनिककालीन कवि :** 1. **भारतेंदु हरिश्चन्द्र :** □ मातृभाषा प्रेम पर दोहे (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10) □ रोकहूँ जो तो अमंगल होय □ ब्रज के लता पता मोहि कीजे 2. **जयशंकर प्रसाद :** □ कामायनी के श्रद्धा सर्ग के 10 छंद (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10) □ आंसू के पांच छंद (1, 2, 3, 4, 5) 3. **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :** □ वर दे वीणा वादिनि वर दे □ वह तोड़ती पत्थर □ भिक्षुक 4. **सुमित्रानंदन पन्त :** □ मौन निमंत्रण □ प्रथम रश्मि □ यह धरती कितना देती है 5. **महादेवी वर्मा :** □ बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ □ फिर विकल हैं प्राण मेरे □ यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो	**12**
VII	**छायावादोत्तर कवि :** □ **अज्ञेय :** नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की □ **मुक्तिबोध** : विचार आते हैं, भूल गलती □ **नागार्जुन** : अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है □ **धर्मवीर भारती** : बोआई का गीत, कविता की मौत(दूसरा सप्तक, सं0 – अज्ञेय) □ **धूमिल :** मोचीराम, रोटी और संसद	**12**

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. डॉ. नगेंद्र, (सं0), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
3. शुक्ल, रामचंद्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
6. सिंह, नामवर आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र – लखनऊ, 2014
8. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिन्दी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केंद्र – लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण
11. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति : एक अध्ययन, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली, 1991
14. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1957
15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
16. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1946
17. वर्मा रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941
18. वर्मा, रामलाल, जायसी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1979
19. त्रिगुणायत गोविन्द, कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन, कानपुर
20. उपाध्याय विश्वम्भरनाथ, सूर का भ्रमरगीत : एक अन्वेषण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
21. किशोरीलाल, घनानन्द : काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
22. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
23. कुमार विमल, छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1970
24. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज
25. डॉ. नगेन्द्र, सुमित्रानंदन पन्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, 1962
26. शर्मा, रमेश, पन्त की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर
27. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
28. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
29. सिंह, विजयबहादुर, नागार्जुन का रचना संसार, सम्भावना प्रकाशन, हापुड़, 1982
30. अष्टेकर, कटघरे का कवि धूमिल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
31. नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
32. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, आत्मसंघर्ष की कविता मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़
33. सिंह, शम्भूनाथ, छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962
34. अज्ञेय, दूसरा सप्तक, प्रगति प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951
35. बिसारिया, डॉ. पुनीत, काव्य वैभव, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018
36. बिसारिया, डॉ. पुनीत, काव्य मंजूषा, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली, 2017
37. सिंह, डॉ0, उदयप्रताप, नाथ पंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त्त संस्कृति संस्थान, दिल्ली, 2011
38. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
39. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थ प्रकाशन, कानपुर, 1965

This course can be opted as an elective by the student of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन कर सकते हैं।
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestion: .....

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:
.....

PROGRAMME /CLASS: CERIFICATE	B.A. 1st YEAR	SEMESTER : II
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010201T	COURSE TITLE: कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर	

Course Outcomes:

हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सकें एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोज़गार प्राप्त कर सकें।

CREDITS: 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lecture - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र :** □ कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना □ कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का सम्बन्ध □ कार्यालयी हिन्दी की संभावनाएँ □ कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी	11
II	**कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली :** □ कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली □ कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम □ पदनाम, संबोधन आदि, प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली	11
III	**कार्यालयी हिन्दी पत्राचार :** □ आवेदन पत्र □ सरकारी पत्र □ अर्द्ध–सरकारी पत्र □ कार्यालय आदेश □ परिपत्र □ अधिसूचना □ कार्यालय ज्ञापन □ विज्ञापन □ निविदा □ संकल्प □ प्रेस–विज्ञप्ति	**12**
IV	**प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदन :** □ प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति □ टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर □ संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति	**11**
V	**हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम :** □ कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास □ कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास □ कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	**11**
VI	**हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी :**	**11**

	□ इन्टरनेट और हिन्दी, ई–मेल □ हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट, हिन्दी से सम्बन्धित विभिन्न वेबसाइटें। □ सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल।	

VII	**हिन्दी भाषा और ई–शिक्षण :** □ इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र–पत्रिकाएँ □ इन्टरनेट पर उपलब्ध दृश्य–श्रव्य सामग्री □ ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई–पुस्तकालय सामग्री □ सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई–पाठशाला, स्वयं मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं।	11
VIII	**हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष :** □ हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट – क्रुतिदेव 010, मंगल, कोहिनूर, लैला □ यूनिकोड □ स्पीच–टू–टेक्स्ट प्रौद्योगिकी □ हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण	12

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली, 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठशाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. शर्मा, पी. के., कम्प्यूटर का डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनमिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली
14. संजय द्विवेदी (सं0), सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली
15. शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली
16. कुमार सुरेश, इन्टरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation methods:
लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।

Suggested Continuous Evaluation methods:
कार्यालय की कार्यविधि का कार्यालयों में जाकर प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करना, कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी प्राप्त करना, प्रायोगिक एवं एवं परियोजना कार्य, कम्प्यूटर टाइपिंग, पीपीटी एवं पोस्टर बनाना

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject..... in class/12th/ certificate/diploma.

सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:
.....

कार्यक्रम / वर्ग– सर्टिफिकेट	स्नातक प्रथम वर्ष हेतु माइनर / इलेक्टिव हिन्दी पाठ्यक्रम	सेमेस्टर– प्रथम अथवा द्वितीय
विषय – हिन्दी (माइनर हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम)		
नोट– यह पाठ्यक्रम (स्नातक–हिन्दी–प्रथम वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। इसका अध्ययन विद्यार्थी (प्रथम या द्वितीय) किसी भी सेमेस्टर में कर सकता है।		
प्रश्न पत्र कोड (A010101M)	**प्रश्न पत्र का शीर्षक** **(हिन्दी भाषा का सामान्य बोध)** **कोर कम्पल्सरी (अनिवार्य)**	**क्रेडिट : 04**
सत्रीय परीक्षण : अंक 25+75		**पूर्णांक : 100**
Total No. of Lectures- Tutorials- practical (in hours per week) L-T-P-4-0-0		

इकाई	पाठ्य विषय	कालांश / व्याख्यान
प्रथम	☐ हिन्दी भाषा का सामान्य परिचय ☐ हिन्दी भाषा का विकास ☐ भाषा, विभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा	**15**
द्वितीय	☐ बोली की परिभाषा और प्रमुख बोलियाँ, ☐ लिपि, अर्थ, परिभाषा, देवनागरी लिपि का परिचय	**15**
तृतीय	हिन्दी का काल विभाजन, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिककाल।	**15**
चतुर्थ	कार्यालयी हिन्दी, पत्र लेखन, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, विज्ञापन।	**15**

संपादक – प्रो० गीता सिंह, अध्यक्ष : हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

संदर्भ ग्रंथ–

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – प्रो0 शर्वेश पाण्डेय
2. हिन्दी भाषा और प्रायोजनमूलक हिन्दी – प्रो0 गीता सिंह
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया
4. हिन्दी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी

नोट–सभी के लिए उपलब्ध

प्रस्तावित सतत् मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेट) एवं मौखिक / प्रायोगिक परीक्षा 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. प्रो० कंचन राय	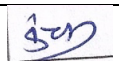	**1. प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी**	
2. प्रो० परवीन निजाम अंसारी		**2. प्रो० राकेश सिंह**	
3. प्रो० गीता सिंह			
4. प्रो० शिखा तिवारी			
5. प्रो० देवेंद्र प्रताप सिंह	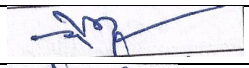		
6. एसो० प्रो० निर्मला सिंह	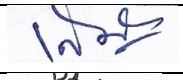		
7. प्रो० मदन मोहन पाण्डेय			

PROGRAMME /CLASS DIPLOMA	B.A. 2nd YEAR	SEMESTER: III
Subject: Hindi		
COURSE CODE **A010301T**	**COURSE TITLE** **हिन्दी गद्य**	

Course outcomes:

हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबंधकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्त्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना, ताकि विद्यार्थी इन सभी विधाओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।

CREDITS : 6	MAX. MARKS : 25+75	MIN. PASSING MARKS : 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**हिन्दी गद्य साहित्य का संक्षिप्त इतिहास** : □ हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास □ हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव और विकास □ हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास □ हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास □ हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास	12
II	**हिन्दी गद्य की महत्त्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय :** कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, आलोचना, निबंध, यात्रा वृत्तान्त, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी, रिपोर्ताज, आत्मकथा, जीवनी, व्यंग्य	12
III	□ **हिन्दी उपन्यास : मानस का हंस** – अमृत लाल नागर □ **हिन्दी कहानी :** 1. **प्रेमचन्द्र** – बूढ़ी काकी 2. **जैनेन्द्र** – पाजेब 3. **यशपाल** – पर्दा 4. **रेणु** – रस पिरिया 5. **उषा प्रियंबदा** – वापसी	**11**
IV	□ **हिन्दी नाटक :** ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद	**11**
V	□ **एकांकी :** 1. दीप दान – डॉ0 रामकुमार वर्मा **2.** अंजो दीदी – उपेन्द्रनाथ 'अष्क'	**11**
VI	□ **हिन्दी निबन्ध :** 1. भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु हरिश्चंद्र 2. श्रद्धा भक्ति – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल **3.** कुटज – हजारीप्रसाद द्विवेदी	**11**
VII	□ **अन्य गद्य विधाएँ – (प्रथम खण्ड) :** 1. रेखा चित्र – गिल्लू (महादेवी वर्मा) 2. संस्मरण – तीस बरस का साथी (राम विलास शर्मा) 3. जीवनी – कलम का सिपाही (अमृत राय) **4.** व्यंग्य – मुर्दे का मूल्य (हरिशंकर परसाई)	**11**
VIII	□ **अन्य गद्य विधाएँ – (द्वितीय खण्ड) :** 1. यात्रा वृत्त – तिब्बत की यात्रा (राहुल सांकृत्यायन) 2. डायरी – एक साहित्यिक की डायरी (मुक्तिबोध)	**11**

	3. इन्टरव्यू – मैं इनसे मिला, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (पद्म सिंह शर्मा कमलेश) **4.** आत्मकथा – जूठन (ओमप्रकाश वाल्मीकि)	

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, रामचंन्द्र, हिन्दी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारतीय प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. शुक्ल, रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
4. तिवारी, रामचंद्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
6. वर्मा, डॉ0 रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, श्रोत : ई–पुस्तकालय
7. प्रसाद जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. गुप्त सोमनाथ, हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, इंद्राचन्द्र नारंग, इलाहाबाद, तीसरा संस्करण, 1951
9. ओझा, डॉ0 दशरथ, हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
10. रस्तोगी गिरीश, हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
11. त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. किशोर ब्रजराज, हिन्दी नाटक और रंगमंच, जनप्रिय प्रकाशन
13. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. महेंद्र, डॉ. रामचरण, एकांकी और एकांकीकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. बिसारिया, डॉ. पुनीत, प्रकीर्ण विविधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018

This course can be opted as an elective by the students following subject:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:
लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।

Suggested Continuous Evaluation Methods:
1. कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य
2. वाचन

Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma.
सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Suggested equivalent online courses:
.....

Further Suggestions:
……

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:
.....

PROGRAMME/CLASS DIPLOMA	B.A. 2nd YEAR	SEMESTER : IV
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010401T	COURSE TITLE: हिन्दी अनुवाद	

Course Outcomes:

विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुये वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार–प्रसार में सहायक बनाना।

CREDITS : 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS : 10+30

Total No. of Lectures - Tutorial-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	□ अनुवाद की अवधारणा □ अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप □ अनुवाद का महत्त्व □ अनुवाद के अन्य रुप : लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि □ अनुवादक के गुण, दायित्व और विषेषताएँ □ अनुवाद में रोजगार की संभावनाएँ	11
II	**अनुवाद के क्षेत्र :** □ प्रक्रिया, प्रकार, सीमाएँ □ अंग्रेजी–हिन्दी अनुवाद की समस्याएँ और समाधान	11
III	**अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ :** □ संस्कृति, साहित्य और भाषा □ अनुवाद और संस्कृति □ अनुवाद और समाज □ अनुवाद और भाषा □ बहुभाषिक समाज में अनुवाद	**11**
IV	**अनुवाद के साधन :** □ अनुवाद में कोश का महत्त्व □ कोशों के प्रकार □ कोशों के उपयोग □ संकेत प्रणाली	**11**
V	**पारिभाषिक शब्दावली :** □ पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य तथा लक्षण □ सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका □ पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत □ पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	**11**
VI	**अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा :** □ पुनरीक्षण □ मूल्यांकन □ समीक्षा	**11**
VII	**अनुवाद सैद्धांतिकी – एक :** □ हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी	**12**

	▯ प्रशासनिक अनुवाद, बैंकिग अनुवाद, विधि अनुवाद ▯ ज्ञान, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	
VIII	**अनुवाद सैद्धांतिकी– दो :** ▯ हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी ▯ सामाजिक विषयों का अनुवाद ▯ सर्जनात्मक अनुवाद	**12**

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994
5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1973
9. तिवारी भोलानाथ ,कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. ठंडन पूरनचंद एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुंचीपादम सीता, बैंकों में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
17. अनुवाद एक परिचय – प्रो0 शर्वेश पाण्डेय
18. https://shadbavali.rbi.org.in/ (बैंकिंग शब्दावली)
19. https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोश)
20. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi (अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश)
21. https://www.oxfordlearnersdictionaries.com/us/ (अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश)

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation methods:
लिखित परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण

Suggested Continuous Evaluation methods:

Suggested equivalent online courses:
.....

Further Suggestions:
सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:
.....

कार्यक्रम / वर्ग–डिप्लोमा	स्नातक द्वितीयवर्ष हेतु– (माइनर हिन्दी पाठ्यक्रम)	सेमेस्टर–तृतीय अथवा चतुर्थ

विषय – हिन्दी (माइनर हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम)

नोट– यह पाठ्यक्रम (स्नातक–हिन्दी–द्वितीय वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन स्नातक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। इसका अध्ययन विद्यार्थी (द्वितीय या तृतीय) किसी भी सेमेस्टर में कर सकता है।

प्रश्न पत्र कोड A010202M	प्रश्न पत्र का शीर्षक – हिन्दी काव्यांग विवेचन कोर कम्पल्सरी (अनिवार्य)	क्रेडिट 04

सत्रीय परीक्षण : अंक 25+75 पूर्णांक : 100

Total No. of Lectures- Tutorials- Practical (in hours per week) L-T-P-4-0-0

इकाई	पाठ्य– विषय	कालांश / व्याख्यान
प्रथम	रस, रस की परिभाषा, रस के अंग, रस के प्रकार।	15
द्वितीय	छन्द, छन्द का अर्थ, छन्द की परिभाषा, छन्द के प्रकार, मात्रिक छन्द, वर्णिक छन्द।	15
तृतीय	अलंकार, अलंकार की परिभाषा, अलंकार के प्रमुख भेद, शब्दालंकार, अर्थालंकार।	15
चतुर्थ	समास, समास की परिभाषा, समास के भेद, कारक।	15

सन्दर्भ ग्रन्थ–

1. रस छन्द एवं अलंकार – डॉ0 रमा शंकर शुक्ल 'रसाल'
2. काव्यांग विवेचन – डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
3. रस छन्द अलंकार – डॉ0 रमाशंकर तिवारी
4. रस छन्द अलंकार – नरोत्तम स्वामी
5. रस सिद्धान्त – डॉ0 नगेन्द्र

नोट– सभी के लिए उपलब्ध

प्रस्तावित सतत् मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिक / प्रायोगिक परीक्षा — 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) — 10 अंक

सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. प्रो० कंचन राय	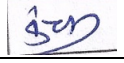	1. प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी	
2. प्रो० परवीन निजाम अंसारी		2. प्रो० राकेश सिंह	
3. प्रो० गीता सिंह			
4. प्रो० शिखा तिवारी			
5. प्रो० देवेंद्र प्रताप सिंह	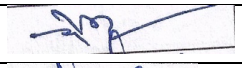		
6. एसो० प्रो० निर्मला सिंह	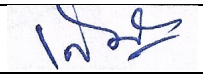		
7. प्रो० मदन मोहन पाण्डेय	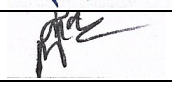		

बाह्य विशेषज्ञों के हस्ताक्षर –

PROGRAMME/CLASS DIPLOMA	B.A. 3rd YEAR	SEMESTER : V
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010501T	COURSE TITLE: साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना	

Course Outcomes:

इस पाठयक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषय – क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे।

CREDITS: 5	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS : 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures.
I	**भारतीय काव्यशास्त्र :** □ काव्य प्रयोजन □ काव्य लक्षण □ काव्य हेतु □ काव्य का स्वरुप □ काव्य की आत्मा	09
II	**भारतीय काव्य सिद्धांत :** □ अलंकार सिद्धांत □ रीति सिद्धांत □ रस सिद्धांत □ ध्वनि सिद्धांत □ वक्रोक्ति सिद्धांत □ औचित्य सिद्धांत	09
III	**साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ :** □ काव्य रूप □ काव्य गुण □ काव्य दोष □ शब्द शक्ति	09
IV	**नाट्यशास्त्र :** □ भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय □ वृत्ति □ अभिनय □ रुपक □ कथा □ नेता या नायक □ नायिका □ रंगमंचीय विशेषताएँ	09

V	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र :** □ अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत □ कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी □ वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत	09

VI	**हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी :** □ हिन्दी आलोचना का विकास □ सैद्धांतिक आलोचना □ स्वछन्दतावादी आलोचना □ मार्क्सवादी आलोचना	10
VII	**समीक्षा की विचारधाराएँ :** □ नयी समीक्षा □ नवशास्त्रवाद □ यथार्थवाद □ आभिजात्यवाद और नव्य आभिजात्यवाद □ कलावाद □ बिम्बवाद □ प्रतीकवाद	10
VIII	**आलोचक एवं आलोचना दृष्टि :** □ रामचन्द्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल □ प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य □ जयशंकर प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद □ हजारीप्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य – नई मान्यताएँ	10

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नवल, नंदकिशोर, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ 1987
4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशात्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशात्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
7. तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010
8. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
9. जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1990

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं

Suggested Continuous Evaluation Methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण।
Suggested Continuous Evaluation Methods: पुस्तक समीक्षा
Course prerequisites : To study this course, a student must have had the subject .....in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

.....

PROGRAMME/CLASS DEGREE	B.A. 3rd YEAR	SEMESTER : V
Subject: Hindi		
COURSE CODE **A010502T**	**COURSE TITLE:** **हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य**	

Course Outcomes:

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुरक्ति जाग्रत करना।

CREDITS : 05	MAX. MARKS : 25+75	MIN. PASSING MARKS : 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य :** □ चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज) □ जगनिक : आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम दस सुमिरन अंश (दया न कीन्हीं जिन कलजुग मां..... ..... भयानक मार) अंतिम दस अंश (बजै नगाड़ा नैना गढ़ में ....लड़िहैं खूब बीर मलखान)	09
II	**भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :** □ **गुरू गोविन्द सिंह :** देहुं शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानों, यों सुनि के बतियान तिह की □ **भूषण :** इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान ते मयूखैं, दारुन दहत हरनाकुस विदारिबे को	09
III	**भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य :** □ **भारतेंदु हरिश्चंद्र :** नये जमाने की मुकरियाँ 1. तीन बुलावै तेरह धावे 2. भीतर भीतर सब रस चूसै 3. सब गुरूजन को बुरो बतावे 4. निज भाषा उन्नति अहै 5. कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै □ **अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' :** कर्मवीर, जन्मभूमि □ **मैथिलीशरण गुप्त :** आर्य, मातृभूमि	09
IV	**छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्यः** □ **जयशंकर प्रसाद :** 1. प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), 2. अरुण यह मधुमय देश हमारा □ **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :** 1. भारती वंदना (भारत जय विजय करे) □ **माखनलाल चतुर्वेदी :** 1. पुष्प की अभिलाषा 2. जवानी □ **सुभद्रा कुमारी चौहान :** 1. वीरों का कैसा हो बसंत, 2. झाँसी की रानी	09

V	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य :** **बालकृष्ण शर्मा नवीन :** 1. कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, 2. कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है **रामधारी सिंह 'दिनकर' :** 1. शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल) 2. हिमालय **श्यामलाल गुप्त 'पार्षद':** 1. झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य (प्रथम चरण) :** **श्यामनारायण पाण्डेय :** 1. चेतक की वीरता 2. राणा प्रताप की तलवार **द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी :** 1. उठो धरा के अमर सपूतों 2. वीर तुम बढ़े चलो **गोपालप्रसाद व्यास :** 1. खूनी हस्ताक्षर 2. शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य (द्वितीय चरण) :** **सोहनलाल द्विवेदी :** 1. मातृभूमि तुम्हें नमन 2. चल पड़े जिधर दो डग मग **अटलबिहारी वाजपेयी :** 1. कदम मिलाकर चलना होगा 2. उनकी याद करें **डॉ. रमेश पोखरियाल "निशंक' :** 1. मातृ वंदना 2. हम भारतवासी	10

VIII	**हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य :** **1. कवि प्रदीप :** आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है **(किस्मत–1943)** **2. कवि प्रदीप :** ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी **(गैर फ़िल्मी)** 3. **कवि प्रदीप :** हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के **(जागृति–1954)** 4. **कवि प्रदीप :** आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की **(जागृति–1954)** 5. **साहिर लुधियानवी :** ये देश है वीर जवानों का **(नया दौर– 1957)** **6. प्रेम धवन :** छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी **(हम हिन्दुस्तानी–1961)** **7. नीरज :** मेरे प्यारे वतन **(काबुलीवाला–1964)** 8. **कैफ़ी आज़मी :** कर चले हम फ़िदा जाने तन साथियों **(हकीकत–1964)**	10

	9. **राजेन्द्र कृष्ण :** जहाँ डाल–डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा **(फ़िल्म : सिकंदर–ए–आज़म–1965)** 10. **गुलशन बावरा :** मेरे देश की धरती सोना उगले **(उपकार – 1967)** **11. इन्दीवर :** है प्रीत जहाँ की रीत सदा **(पूरब और पश्चिम–1971)** 12. **प्रसून जोशी :** देस रंगीला रंगीला देस मेरा रंगीला **(फ़ना–2006)**	

सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य) :

सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, उसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा–

1. **आनंदमठ**
2. **हकीक़त**
3. **उपकार**
4. **शहीद**
5. **गाँधी**
6. **उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक**
7. **केसरी**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन् 1906.
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
5. आल्हखण्ड, ई–पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुंदरदास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीप, गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन् 1969, प्रथम संस्करण बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन् 2017
8. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010
9. ब्रजरत्न दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी
10. गिरीश, गिरिजादत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
11. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
12. व्यास, विनोद शंकर (सं0), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
13. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014
15. अरुण, डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल, बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'निशंक', अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2020
16. विसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007
17. https://kavitakosh.org
18. https://epustakalay.com
19. https://ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India)
20. https://hindigeetmala.net

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation methods:

लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
Suggested Continuous Evaluation methods: 1. फिल्म विशेष के सन्देश पर परियोजना कार्य 2- वाचन
Course prerequisites: To study this course, a student must have had the subject ..... in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions:

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:

.....

PROGRAMME/CLASS DEGREE	B.A. 3rd YEAR	SEMESTER : VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE A010601T	COURSE TITLE: भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	
Coures Outcomes: भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्‌भव तथा विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।		
CREDITS : 5	MAX. MARKS : 25+75	MINI. PASSING MARKS : 10+30
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per weed): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भाषा एवं भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय :** 1. भाषा : परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण 2. भाषाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ	09
II	**भाषिक संरचना तथा स्तर :** 1. ध्वनि 2. शब्द 3. रूप 4. वाक्य 5. प्रोक्ति 6. अर्थ	09
III	**हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास :** 1. पृष्ठभूमि 2. अपभ्रंश 3. पुरानी हिन्दी **4.** मानक हिन्दी	09
IV	**हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्रोत :** 1. हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार – बाह्य प्रयत्न, आभ्यंतर प्रयत्न, 2. उच्चारण स्थान, 3. प्राणत्व और अनुनासिकता	09
V	**हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय :** 1. पश्चिमी हिन्दी 2. पूर्वी हिन्दी 3. पहाड़ी हिन्दी 4. राजस्थानी हिन्दी 5. बिहारी हिन्दी	09
VI	**हिन्दी की वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति :** 1. राजभाषा आयोग 2. राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण 3. संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण	09
VII	**देवनागरी लिपि :** 1. नामकरण 2. उद्‌भव और विकास 3. विशेषताएँ 4. वैज्ञानिकता 5. समस्या 6. सुधार	10

VIII	**क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन :** 1. क्षेत्रीय बोली का विकास क्रम **2.** क्षेत्रीय बोली का साहित्यिक विकास	10

Suggested Reading:

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्मा आचार्य देवेन्द्रनाथ, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नयी दिल्ली, 1972
2. द्विवेदी कपिल देव, भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
3. शर्मा डॉ. रामकिशोर, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, विद्या प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
4. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1987
5. त्रिपाठी सत्यनारायण, हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
6. शर्मा राजमणि, हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
7. तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, 1999
8. वर्मा, डॉ. धीरेन्द्र, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951
9. बाहरी, हरदेव, हिन्दी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, 2017
10. बाहरी, हरदेव, हिन्दी का उद्‌भव, विकास और रूप, किताबमहल, इलाहाबाद, 42वाँ संस्करण, 2018

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:
इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन कर सकते हैं।

Suggested Continuous Evaluation Methods:
लिखित परीक्षा, परियोजना कार्य, दक्षता 'परीक्षण।

Suggested Continuous Evaluation Methods:
कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य

Course prerequisites: To study this course, a a student must have had the subject .....in class12th/ certificate/diploma.
सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)

Suggested equivalent online courses:
.....

Further Suggestions:
.....

At the End of the whole syllabus any remarks/ suggestions:
.....

PROGRAMME/CLASS DEGREE	B.A. 3rd YEAR	SEMESTER : VI

Subject: Hindi

COURSE CODE	COURSE TITLE:
A010602T	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

Course Outcomes:

भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

CREDITS : 5	MAX. MARKS : 25+75	MINI. PASSING MARKS :10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per weed): 3-0-0 or 2-1-0 Etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**लोक साहित्य का सामान्य परिचय :** लोक साहित्य की परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण,	09
II	**लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य :** लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध	09
III	**लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता :** लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	**लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन :** लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।	09
V	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ :** लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	09
VI	**लोक का प्रकीर्ण साहित्य :** लोकोक्तियाँ, मुहावरे एवं पहेलियाँ–परंपरा एवं महत्व	10
VII	**हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम :** 1. हिन्दी का लोक साहित्य 2. इतिहास : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ 3. हिन्दी का लोक साहित्य और बोलियाँ	10
VIII	**भोजपुरी भाषा का क्षेत्र और उसकी आंचलिक स्थिति**	10

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, सं0, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिन्दी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यादव, डॉ वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971
11. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019
13. उपाध्याय, कृष्णदवे, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियाँ; ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भडांर, आगरा
16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007

This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठयक्रम का चयन कर सकते है।
Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा, परियोजनाकार्य, दक्षता परीक्षण।
Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. कृति विशेष का भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2. वाचन
Coures prerequisites: To study this course, a student must have had the subject .....in class/12th/ certificate/diploma. सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

At the End of whole syllabus any remarks/ suggestions:

.....

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year–**Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **V** सेमेस्टर–**पंचम**
विषय–हिन्दी		
प्रश्न पत्र कोड– A010503R	प्रश्न पत्र शीर्षक– **लघुशोध परियोजना**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि –**

- विद्यार्थी शोध कार्य के प्रति जागरूक होंगे।
- लघुशोध परियोजना के माध्यम से उनमें शोध हेतु सूक्ष्म दृष्टि विकसित होगी।
- इस परियोजना कार्य के माध्यम से शोध–प्रारूप कैसे बनाया जाय, साहित्य सर्वेक्षण कैसे किया जाता है? उसके लिए कौन–कौन से प्लेटफार्म विकसित किये गये हैं? प्राथमिक सन्दर्भ और द्वितीयक सन्दर्भ क्या होता है? उनमें क्या अन्तर है? एक अच्छे शोध के लिए हमें प्राथमिक सन्दर्भ ही क्यों चुनना चाहिए? शोध हेतु सन्दर्भ कैसे इकट्ठा करते हैं? भूमिका कैसे लिखते हैं? अध्याय विभाजन कैसे करते हैं? उपसंहार कैसे लिखा जाता है? सन्दर्भ–ग्रन्थ सूची कैसे तैयार की जाती है? सम्पादन कैसे किया जाता है? प्रूफ रीडिंग कैसे करते हैं? डाइक्रीटिकल मार्क्स क्या होते हैं, उनका प्रयोग प्रूफ रीडिंग में कैसे किया जाता है? शोध विधियाँ क्या होती हैं? शोध में उन विधियों का प्रयोग कैसे किया जाता है? इत्यादि का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- इस परियोजना कार्य के माध्यम से विद्यार्थी भावी वृहद शोध परियोजना हेतु एक कुशल दृष्टि के साथ तैयार होंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits: **3**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **100**	Min. Passing Marks:

लघु–शोध परियोजना हेतु निर्धारित शोध–क्षेत्र

Unit इकाई	**Research Area** शोध–क्षेत्र	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**पाठ्यक्रम आधारित भारतीय काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त (रससिद्धान्त, अलंकारसिद्धान्त, ध्वनिसिद्धान्त, वक्रोक्तिसिद्धान्त, औचित्यसिद्धान्त, रीतिसिद्धान्त) से किसी एक विषय पर।**	10
II	**पाठ्यक्रम आधारित भारतीय नाट्यशास्त्र से सम्बद्ध किसी एक विषय पर।**	7

III	पाठ्यक्रम आधारित हिन्दी समालोचनापद्धति से सम्बद्ध किसी एक आलोचना पद्धति पर।	7
IV	पाठ्यक्रम आधारित हिन्दी साहित्य के राष्ट्रीय कवियों में से किसी एक कवि के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर।	7
V	पाठ्यक्रम आधारित फिल्मों में फिल्माए गये किसी गीत पर।	7
VI	पाठ्यक्रम आधारित फिल्मों के कथानक, पात्र चरित्र–चित्रण, उसके सामाजिक सारोकार, आदि विविध विषयों पर।	7

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year–**Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **VI** सेमेस्टर– **षष्ठ**
विषय–हिन्दी		
प्रश्न पत्र कोड– A010603R	प्रश्न पत्र शीर्षक– **लघुशोध परियोजना**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी शोध के प्रति जागरूक होंगे।
- लघुशोध परियोजना के माध्यम से उनमें शोध हेतु सूक्ष्म दृष्टि विकसित होगी।
- इस परियोजना कार्य के माध्यम से शोध–प्रारूप, कैसे बनाया जाय, साहित्य सर्वेक्षण कैसे किया जाता है? उसके लिए कौन–कौन से प्लेटफार्म विकसित किये गये हैं? प्राथमिक सन्दर्भ और द्वितीयक सन्दर्भ क्या होता है? उनमें क्या अन्तर है? एक अच्छे शोध के लिए हमें प्राथमिक सन्दर्भ ही क्यों चुनना चाहिए? शोध हेतु सन्दर्भ कैसे इकट्ठा करते हैं? भूमिका कैसे लिखते हैं? अध्याय विभाजन कैसे करते हैं? उपसंहार कैसे लिखा जाता है? सन्दर्भ–ग्रन्थसूची कैसे तैयार की जाती है? सम्पादन कैसे किया जाता है? प्रूफ रिडिंग कैसे करते हैं? डाइक्रीटिकल मार्क्स क्या होते हैं, उनका प्रयोग प्रूफ रिडिंग में कैसे किया जाता है? शोध विधियां क्या होती हैं? शोध में उन विधियों का प्रयोग कैसे किया जाता है? इत्यादि का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- इस परियोजना कार्य के माध्यम से विद्यार्थी भावी बृहद शोध परियोजना हेतु एक कुशल दृष्टि के साथ तैयार होंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits: **3**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **100**	Min. Passing Marks:

लघु–शोध परियोजना हेतु निर्धारित शोध–क्षेत्र

Unit इकाई	**Research Area** शोध–क्षेत्र	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**पाठ्यक्रम आधारित भाषा एवं भाषाविज्ञान से सम्बद्ध किसी एक विषय या अंश पर।**	10
II	**पाठ्यक्रम आधारित हिन्दी की उप–भाषाओं व बोलियों से सम्बद्ध किसी एक विषय पर।**	7
III	**पाठ्यक्रम आधारित समसामयिक परिदृश्य में हिन्दी की स्थिति, देवनागरी लिपि का इतिहास आदि विषयों पर।**	7

IV	पाठ्यक्रम आधारित लोकसाहित्य की विविध विधाओं से सम्बद्ध किसी विषय पर।	7
V	पाठ्यक्रम आधारित प्रकीर्ण–साहित्य में (लोकोक्ति, सुभाषित, ग्राम्य स्तर पर प्रचलित कहावतें, ढकोसले, मुहावरे, पहेली आदि किसी विषय पर।	7
VI	लोकसाहित्य संकलन में आने वाली कठिनाईयों तथा उनके संरक्षण, संवर्धन में योगदान करने वाले किसी लोक–अध्येता पर।	7